Finance Minister Arun Jaitley with CII Foundation Woman Exemplar awardees during the inauguration of the CII Annual Session 2016 on 'Building National Competitiveness' in New Delhi on Monday. *Renuka Puri*

काला धन अनुपालन योजना का लाभ न लेने वालों को जेटली की चेतावनी

महंगा पड़ेगा खिलवाड़

नई दिल्ली (भाषा)। कई भारतीयों द्वारा विदेशों में काला धन छिपाने की ताजा खबरों के बीच वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा कि जिन लोगों ने विदेशों में अपनी अघोषित आय व संपत्तियों का हिसाब देने के लिए सरकार द्वारा पिछले साल उपलब्ध कराए गए अवसर का लाभ नहीं उठाया उन्हें 'उनका यह खिलवाड़ बहुत महंगा पड़ेगा।'

उन्होंने कहा कि विदेशों में काला धन छिपाने वालों के खिलाफ वैश्विक पहल के तहत की जा रही बहुपक्षीय व्यवस्था 2017 तक प्रभावी हो जाएगी और उसके बाद लोगों के लिए अपनी गैर कानूनी संपत्ति बाहर छिपाना बहुत मुश्किल होगा। जेटली ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के सालाना अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा,' जी20 की पहल, एफएटीसीए (अमेरिका का कानून) तथा द्विपक्षीय संधियों के तहत नई व्यवस्थाएं 2017 से प्रभावी हो जाएंगी और उसके बाद दुनिया में वित्तीय लेन देन की संस्थागत व्यवस्था अपेक्षाकृत काफी पारदर्शी होगी इसलिए इस तरह खिलवाड़ उन लोगों के लिए बेहद महंगा होगा जो इसमें लिप्त हैं।' जेटली ने कहा कि जिन लोगों ने काले धन का विधिवत विवरण जमा कराकर उसे कानूनसम्मत करने के सीमित समय के विकल्प का फायदा नहीं उठाया, उन्हें यह अहसास जरूर होगा कि उनसे गलती हुई है।

- कर संधियां अमल में आने पर कर चोरों का बचना होगा मुश्किल
- फंसे कर्ज को वसूलने में नैतिकता का ध्यान रखें बैंक

बैंकों का कर्ज जान बूझ कर न चुकाने के बढ़ते मामलों के बीच जेटली ने कहा कि देश का उद्योग जगत आज विश्वसनीयता की लड़ाई लड़ रहा है और उसे वसूली में फंसे कर्ज के मामलों में सकारात्मक और नैतिक रुख अपनाना चाहिए। जेटली ने माल्या या किसी अन्य का नाम लिए बिना कहा, 'भारतीय उद्योग अपनी खुद की साख की लड़ाई लड़ रहा है। हाल की कुछ घटनाएं निश्चित रूप से उसकी विश्वसनीयता बढ़ाने वाली नहीं हैं।' माल्या पर बैंकों का 9,000 करोड़ रुपए का बकाया है और वह जांच एजेंसियों तथा कर्जदाताओं की कार्रवाई से बचने के लिए ब्रिटेन चले गए हैं। वित्त मंत्री ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के सालाना अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में को संबोधित करते हुए कहा, 'जब चक्र बदलता है, एनपीए (फंसा कर्ज) भी बदल सकता है लेकिन उद्योग जगत के प्रमुखों को निश्चित रूप से हमेशा सकारात्मक और नीतिपरक होना चाहिए क्योंकि इसी से आपकी साख बढ़ती है।'

नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ के कार्यक्रम में एक महिला को वुमेन एक्जाम्पलर अवार्ड प्रदान करते वित्त मंत्री अरुण जेटली।